

an>

Title: Need to provide better medical treatment to injured persons in railway accident.

SHRI BANDARU DATTATREYA (SECUNDERABAD): Sir, I just want to add something.

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि आज जो नांदेड़ एक्सप्रेस ट्रेन की दुर्घटना हुई है, उसमें रेल मंत्री जी ने स्टेटमेंट दिया था कि 18 लोग मारे गए हैं। लेकिन अभी-अभी जो समाचार मिल रहा है, उसमें यह बताया जा रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। जो लोग घायल हुए हैं, उनको आसपास के हॉस्पिटल में इलाज के लिए लाये हैं, ऐसा उन्होंने कहा था। मेरी डिमांड है कि जो लोग घायल हुए हैं, उन लोगों को आसपास के हॉस्पिटल के बजाय हैदराबाद में जो कारपोरेट हॉस्पिटल्स हैं, यशोदा हॉस्पिटल है, केयर हॉस्पिटल है, अपोलो हॉस्पिटल है, उनमें उन लोगों को इलाज की सेवा देनी चाहिए।

वैसे ही जो उन्होंने कम्पेंसेशन दो लाख रुपये देने की बात अभी-अभी बताई, मैं मांग करता हूँ कि वह 10 लाख रुपये तक देना चाहिए। लास्टली मेरी डिमांड है कि एक ढाई लेविल इन्वैस्टिगेशन करके जो कन्क्लूजन है, उनको दंडित करके उचित शिक्षा देनी चाहिए। लास्ट में भरे हुए लोगों के जो बच्चे हैं, उनके परिवार में किसी न किसी आदमी को नौकरी देने के लिए भी मैं मांग करता हूँ। इसके अलावा जो अनमैन्ड गेट्स हैं, उनको मैन्ड गेट्स करने के लिए मैं मंत्री महोदय से मैं प्रार्थना करता हूँ।

HON. CHAIRPERSON: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 25<sup>th</sup> July, 2014 at 11.00 a.m.

**19.41 hrs**

## **The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock**

*on Friday, July 25, 2014/ Shravana 3, 1936 (Saka).*

---

\* गृहद्वारा दत्त पत्र इदं प्रेषितं इत्येतदुक्तं एव पत्रं प्रेषितं इत्युक्तं।

\* एतदुक्तं यदुक्तं इत्युक्तं एव पत्रं मन्त्रद्वारा प्रेषितं इत्युक्तं इत्युक्तं तदुक्तं इत्युक्तं।

\* गृहद्वारा इत्युक्तं इत्युक्तं।

\* गृहद्वारा इत्युक्तं इत्युक्तं।

\* गृहद्वारा इत्युक्तं इत्युक्तं।

\* गृहद्वारा इत्युक्तं इत्युक्तं।

\* गृहद्वारा इत्युक्तं इत्युक्तं।